सफलता की कहानी किसान की जुबानी

परंपरागत खेती से आधुनिक तकनीकों तक सफलता की मिसाल– श्री अखिलेश कुमार राजवार

नाम– श्री अखिलेश कुमार राजवार

पता–

गांव – कटमकुलीए, डाकघर – मंगा सरलाए, ब्लॉक – पेटरवारए

जिला – बोकारो (झारखंड) आधार संख्या– 601429397923 मोबाइल नंबर– 7739402180

पेटरवार प्रखण्ड झारखंड के बोकारो जिले का एक प्रमुख और ऐतिहासिक प्रखण्ड है। यह क्षेत्र भौगोलिक दृष्टि से समृद्ध और विविधतापूर्ण है। यहाँ का क्षेत्र मुख्य रूप से पहाड़ी और मैदानी भागों में विभाजित है, जिसमें कई नदियाँ और झरने हैं। यहाँ का जलवायु उष्णकटिबंधीय है, जिसमें गर्मी और मानसून का प्रभाव रहता है। इस क्षेत्र का क्षेत्रफल लगभग 150 वर्ग किलोमीटर है, जिसमें पहाड़ी और मैदानी भागों का सुंदर मिश्रण पाया जाता है। यहाँ नदियाँ और जल स्रोत मौजूद हैं, जो जल संरक्षण और सिंचाई के लिए महत्वपूर्ण हैं। यहाँ की फसलें अच्छी गुणवत्ता और अधिक मात्रा में उगाई जाती हैं। इस भौगोलिक विशेषता ने इस क्षेत्र को कृषि और प्राकृतिक संसाधनों के लिहाज से समृद्ध बनाया है। पेटरवार प्रखण्ड की मुख्य फसलें हैं धान, मक्का, गेहूं, ज्वार, बाजरा एवं सब्जियाँ। यहाँ की मिट्टी लाल और दोमट है, जो मुख्य रूप से अनाज और सब्जियों की खेती के लिए उपयुक्त है। प्राकृतिक जल स्रोतों और वर्षा पर आधारित खेती यहाँ का मुख्य व्यवसाय है। यह क्षेत्र परंपरागत खेती के साथ–साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाने की ओर भी बढ़ रहा है। यहाँ के किसान उन्नत बीज, उर्वरक और सिंचाई के नए साधनों का प्रयोग कर अपनी आय बढ़ा रहे हैं।

इसी प्रखण्ड के एक प्रगतिशिल किसान है श्री अखिलेश कुमार राजवार, इनका जीवन उन किसानों के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जिन्होंने अपने मेहनत और लगन से अपने जीवन में बदलाव लाया है। उनका जन्म गांव–कटमकुली, पोस्ट–मंगा सरला, ब्लॉक–पेटरवार, जिला–बोकारो (झारखंड) में हुआ। उनके पास लगभग 3.5 हेक्टेयर जमीन है, जिस पर उन्होंने खेती का व्यवसाय चुना। आज वे अपनी मेहनत, नवीनतम तकनीकों और समर्पण के बल पर एक सफल किसान के रूप में पहचाने जाते हैं। श्री अखिलेश का जीवन सामान्य परिवार में शुरू हुआ। शुरू में उन्हें पारंपरिक खेती के साथ ही कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा। लागत अधिक, उत्पादन कम, और बाजार की अनिश्चितता ने उन्हें निराश किया। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने सोचा कि यदि वे नई तकनीकों को अपनाएं और अपने अनुभव को बढ़ाएं, तो वह अपने जीवन में बदलाव ला सकते हैं। उनकी सफलता का पहला कदम था, कृषि विज्ञान केंद्र, पेटरवार बोकारो के वैज्ञानिकों का सहयोग लेना। इस केंद्र के वैज्ञानिकों ने उन्हें प्लास्टिक मल्चिंग और प्राकृतिक खेती के बारे में जागरूक किया। उन्होंने इन तकनीकों को अपनाकर अपने खेतों में नई ऊर्जा का संचार किया। श्री अखिलेश ने अपनी जमीन पर प्लास्टिक मल्चिंग का प्रयोग किया, जिससे उनकी फसलों की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इसके साथ ही, उन्होंने प्राकृतिक खेती को भी अपनाया, जिसमें रासायनिक खाद और कीटनाशकों का प्रयोग कम किया गया। इससे न केवल उनकी लागत कम हुई, बल्कि फसलों की गुणवत्ता भी बेहतर हुई। आज श्री अखिलेश की वार्षिक आय लगभग 3.5 लाख रुपये है। वे मुख्य रूप से धान, गेहूं, मक्का और सब्जियों की खेती करते हैं। उनकी मेहनत और नई तकनीकों का प्रयोग उन्हें एक सफल किसान बनाता है। श्री अखिलेश ने अपने अनुभव को साझा करने के लिए कई मंचों का सहारा लिया। उन्होंने बिरसा कृषि विश्वविद्यालयए रांची द्वारा आयोजित एग्रोटेक किसान मेला 2025 में अपनी सफलता की कहानी साझा की। इस मेले में पूरे राज्य से आए हुए किसानों के साथ अपने अनुभव और नई तकनीकों को साझा कर उन्होंने यह साबित किया कि सही मार्गदर्शन और मेहनत से कोई भी किसान अपने सपनों को साकार कर सकता है। उनकी कहानी आसपास के किसानों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है। वे चाहते हैं कि अधिक से अधिक किसान नई तकनीकों को अपनाएं और अपनी आय बढ़ाएं। इसके लिए वह अपने अनुभव और ज्ञान को साझा करने का कार्य कर रहे हैं। उनका सपना है कि उनके जैसे और भी किसान अपनी जमीन से अच्छा लाभ प्राप्त करें और अपने जीवन को खुशहाल बनाएं, इसके लिए किसान अपने जिले में स्थापित कृषि विज्ञान केन्द्र, के वैज्ञानिकों से सम्पर्क कर उच्च एवं नई–नई तकनिकों के बारे में जानकारी प्राप्त करें। श्री अखिलेश कुमार राजवार की कहानी हमें यह सिखाती है कि मेहनत, नवीनता और सही मार्गदर्शन से कोई भी व्यक्ति अपने जीवन में बदलाव ला सकता है। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि यदि हम अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहें और नई तकनीकों को अपनाएं, तो सफलता हमारे कदम चूमेगी। आशा है कि उनकी कहानी सभी किसानों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और आने वाली पीढ़ी भी इसी तरह मेहनत और लगन से अपने सपनों को साकार करेगी।